दृष्टि The Vision

Mentorship Program
Mukherjee Nagar

समाजशास्त्र

टेस्ट-2

निर्धारित समय: तीन घंटे *Time allowed: Three Hours*	DTVF / OPT-24 **02SOC24**	*अधिकतम अंक: 250* *Maximum Marks: 250*

Name: Iqbal Ahmad **Mobile Number:** ____________

Medium (English/Hindi): Hindi **Reg. Number:** ____________

Center & Date: Mukharjee Nagar, 19th July, 24 **UPSC Roll No.** ***(If allotted)*:** 6421410

प्रश्न-पत्र के लिये विशिष्ट अनुदेश

कृपया प्रश्नों के उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को ध्यानपूर्वक पढ़ें:

इसमें आठ प्रश्न हैं जो दो खण्डों में विभाजित हैं तथा हिन्दी एवं अंग्रेज़ी भाषा में मुद्रित हैं।

परीक्षार्थी को कुल पाँच प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

प्रश्न संख्या 1 और 5 अनिवार्य हैं तथा बाकी में से प्रत्येक खण्ड से कम-से-कम एक प्रश्न चुनकर किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिये।

प्रत्येक प्रश्न/भाग के अंक उसके सामने दिये गए हैं।

*प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहियें जिसका उल्लेख आपके प्रवेश-पत्र में किया गया है, और इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिये। उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिखे गए उत्तर पर **कोई अंक नहीं मिलेंगे।***

प्रश्नों में शब्द सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिये।

जहाँ आवश्यक हो, अपने उत्तर को उपयुक्त चित्रों/मानचित्रों तथा आरेखों द्वारा दर्शाएँ। इन्हें प्रश्न का उत्तर देने के लिये दिये गए स्थान में ही बनाना है।

प्रश्नों के उत्तरों की गणना क्रमानुसार की जाएगी। यदि काटा नहीं हो, तो प्रश्न के उत्तर की गणना की जाएगी चाहे वह उत्तर अंशतः दिया गया हो। प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिये।

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

Please read each of the following instruction carefully before attempting questions:

*There are **EIGHT** questions divided in **TWO SECTIONS** and printed both in **HINDI & ENGLISH**.*

*Candidate has to attempt **FIVE** questions in all.*

*Questions no. 1 and 5 are compulsory and out of the remaining, any **THREE** are to be attempted choosing at least **ONE** from each section.*

The number of marks carried by a question/part is indicated against it.

Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (Q.C.A.) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.

Word limit in questions, wherever specified, should be adhered to.

Illustrate your answers with suitable sketches/maps and diagrams, wherever considered necessary. These shall be drawn in the space provided for answering the question itself.

Attempts of questions shall be counted in sequential order. Unless struck off, attempt of a question shall be counted even if attempted partly. Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

प्र. सं. (Q.No.)	a	b	c	d	e	कुल अंक (Total Marks)	प्र. सं. (Q.No.)	a	b	c	d	e	कुल अंक (Total Marks)
1							5						
2							6						
3							7						
4							8						
						सकल योग (Grand Total)							

मूल्यांकनकर्त्ता (हस्ताक्षर)
Evaluator (Signature)

पुनरीक्षणकर्त्ता (हस्ताक्षर)
Reviewer (Signature)

Feedback

1. Context Proficiency (संदर्भ दक्षता)
2. Introduction Proficiency (परिचय दक्षता)
3. Content Proficiency (विषय-वस्तु दक्षता)
4. Language/Flow (भाषा/प्रवाह)
5. Conclusion Proficiency (निष्कर्ष दक्षता)
6. Presentation Proficiency (प्रस्तुति दक्षता)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

खण्ड-क / SECTION - A

1. **Answer the following in about 150 words each:** **10 × 5 = 50**
निम्नलिखित में से प्रत्येक का लगभग 150 शब्दों में उत्तर दीजिये: **10 × 5 = 50**
(a) ऐतिहासिक भौतिकवाद पर एक संक्षिप्त टिप्पणी लिखिये।
Write a short note on Historical Materialism.

कार्ल मार्क्स द्वारा ऐतिहासिक भौतिकवाद के परिपेक्ष्य मे सिद्धांत दिये गये हैं। मार्क्स ऐतिहासिक भौतिकवाद के माध्यम से मानव एवं उत्पादन के साधनों के सम्पर्क में आने से समाज का निर्माण होने की संज्ञा देते हैं।

मार्क्स का कथन है कि वर्तमान व्यवस्था तक पहुंचने में ऐतिहासिक भौतिकवाद की अवधारणा अंतर्निहित है। यह अवधारणा निम्नलिखित तीन रूपों में दिखाई देती है-

1. बर्बर अवस्था या प्रारम्भिक अवस्था : इस अवस्था में मानव की आवश्यकताएँ सीमित थी तथा मानव सीमित परिवार की आवश्यकता के कारण आखेट पर निर्भर था। यह अवस्था आदिम अवस्था थी।

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली | 21, पूसा रोड, करोल बाग, नई दिल्ली | 13/15, ताशकंद मार्ग, निकट पत्रिका चौराहा, सिविल लाइन्स, प्रयागराज | 47/CC, बर्लिंगटन आर्केड मॉल, विधानसभा मार्ग, लखनऊ | प्लॉट नंबर-45 व 45-A हर्ष टावर-2, मेन टोंक रोड, वसुंधरा कॉलोनी, जयपुर
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtiIAS.com

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

= अपने उद्भव की दूसरी अवस्था में मनुष्य खेती-बाड़ी को तवज्जो देने लगा जहां से खेतिहर मजदूर एवं किसान तथा जमींदार/सामंतवाद की अवधारणा का उदय हुआ और आगे चलकर इस आधार में संघर्ष हुआ।

= तीसरी अवस्था में मार्क्स कहते हैं कि सामंतवाद का स्थान पूंजीपतियों ने ग्रहण कर लिया और ये पूंजीपति श्रमिकों के माध्यम से उत्पादन के साधनों पर एकाधिकार जमाते हुए मजदूरों का शोषण करते हैं।

आगे मार्क्स कहते हैं कि यह पूंजीवादी व्यवस्था में भी परिवर्तन आएगा एवं श्रमिक क्रांति के माध्यम से समाजवाद या साम्यवाद स्थापित करेंगे।

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली | 21, पूसा रोड, करोल बाग, नई दिल्ली | 13/15, ताशकंद मार्ग, निकट पत्रिका चौराहा, सिविल लाइन्स, प्रयागराज | 47/CC, बर्लिंगटन आर्केड मॉल, विधानसभा मार्ग, लखनऊ | प्लॉट नंबर-45 व 45-A हर्ष टावर-2, मेन टोंक रोड, वसुंधरा कॉलोनी, जयपुर
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

(b) दुर्खाइम के सामाजिक तथ्य।
Durkhiem's social facts.

दुर्खीम ने सामाजिक तथ्य के माध्यम से सामाजिक गतिविधियों के संचालन का विचार प्रस्तुत किया था।

दुर्खीम के अनुसार सामाजिक तथ्यों के आधार पर सामाजिक क्रिया प्रतिमान को अवस्थित रूप दिया जा सकता है।

सामाजिक तथ्यों के रूप निम्नलिखित हैं।

= सामाजिक अवधारणा : दुर्खीम के अनुसार समाज ही वास्तविक देवता है और यह समाज में विभिन्न प्रकार की व्याप्त कर्म को इस वर्ग तथ्यात्मक रूप से सामाजिक गतिकी को परिलक्षित करता है।

= सामाजिक तथ्यों के माध्यम से धर्म की पवित्र - अपवित्र अवधारणा को प्रतिपादित करते हुए दुर्खीम ने कहा कि समाज का सामाजिकरण स्वभाव ही रहता है।

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली | 21, पूसा रोड, करोल बाग, नई दिल्ली | 13/15, ताशकंद मार्ग, निकट पत्रिका चौराहा, सिविल लाइन्स, प्रयागराज | 47/CC, बर्लिंगटन आर्केड मॉल, विधानसभा मार्ग, लखनऊ | प्लॉट नंबर-45 व 45-A हर्ष टावर-2, मेन टोंक रोड, वसुंधरा कॉलोनी, जयपुर
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

= सामाजिक तथ्य सामाजीकरण की प्राचीन अवस्था से ही समाज में मौजूद हैं परन्तु यह तथ्य अन्य रूप से व्यापक हित के लिए प्रयोग नहीं किया गया था।

= सामाजिक तथ्य के माध्यम से समाज के दृष्टिकोण को समझना, व्यवहार, प्रतिमान आदि स्थापित किये जाते हैं।

इस प्रकार सामाजिक तथ्य अनन्यरूप में समाज को समझने में सहजता प्रदान करते हैं।

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली | 21, पूसा रोड, करोल बाग, नई दिल्ली | 13/15, ताशकंद मार्ग, निकट पत्रिका चौराहा, सिविल लाइन्स, प्रयागराज | 47/CC, बर्लिंगटन आर्केड मॉल, विधानसभा मार्ग, लखनऊ | प्लॉट नंबर-45 व 45-A हर्ष टावर-2, मेन टोंक रोड, वसुंधरा कॉलोनी, जयपुर
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

(c) मैक्स वेबर के आदर्श प्रारूप पर टिप्पणी कीजिये।
Comment upon Ideal types of Max Weber.

मैक्स वेबर ने आदर्श प्रारूप के माध्यम से सामाजीकरण की अवस्था को प्रतिपादित किया है। वेबर आदर्श प्रारूप को एक चुनाव के रूप में होना स्वीकार करते हैं जैसे किसी वस्तु में से कोई भी वस्तु चुनना परन्तु उस वस्तु में सभी वस्तुओं का 'सार' मौजूद रहना चाहिए।

वेबर इसके लिए निम्नलिखित प्रयोग करते हैं।

= परम्परागत रूप से आदर्श प्रारूप किसी समाज में से चुनी हुई वस्तु के रूप में दिखाई देता है परन्तु इसके सारभूत तत्व समग्र रूप में मिलते हैं।

= आदर्श प्रारूप चयन में समाज के वैज्ञानिक संदर्भ को महत्व दिया जाता है।

= ये आदर्श इस रूप में होते हैं कि सहजता से सामाजिक विश्लेषण में अपने आप को फिट कर लेते हैं।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें। (Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। (Please don't write anything in this space)

- आदर्श प्रारूप के कारण समाज में सहचर्य, धर्म, परिवार- संस्था आदि का अध्ययन किया जा सका।

= आदर्श प्रारूप में दुर्खीम सामाजिक बोध को महत्व देते हैं।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

(d) अलगाव

Alienation

दुर्खीम के अलगाव की यह अवधारणा समाज में विसंगति की अवधारणा से मेल खाती है। समाज में जब कोई व्यक्ति अपने आप को समाज के काबिल नहीं मानता है तो उसके मस्तिष्क में अलगाववाद की अवधारणा पैदा होती है।

दुर्खीम ने अलगाववाद की इस धारणा में बताया कि कैसे सामाजिक भूमिका प्रतिमान में कोई व्यक्ति बेहतर सामंजस्य न बैठा पाने के कारण खुद को अलग-थलग महसूस करता है। यह अलगाव व्यक्ति के संदर्भ के रूप में भिन्न-भिन्न हो सकता है —

= परिवार, समाज, समुदाय से दूरी के आधार पर

= सामाजिक प्रतिमानों के प्रतिकूल आचरण के आधार पर

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली | 21, पूसा रोड, करोल बाग, नई दिल्ली | 13/15, ताशकंद मार्ग, निकट पत्रिका चौराहा, सिविल लाइन्स, प्रयागराज | 47/CC, बर्लिंगटन आर्केड मॉल, विधानसभा मार्ग, लखनऊ | प्लॉट नंबर-45 व 45-A हर्ष टावर-2, मेन टोंक रोड, वसुंधरा कॉलोनी, जयपुर

दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtiIAS.com

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

= सामाजिक कारणों के आधार पर।

= अलगाव की सबसे अंतिम अवस्था में स्वयं की समाप्ति।

दुर्खीम का मत है कि नैतिकता, नियमबद्धता कानून, अनुशासन एवं धर्म अलगाव की अवस्थाओं में व्यक्ति को मार्गदर्शन देने का कार्य करते हैं।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

(e) मैक्स वेबर की प्राधिकार की अवधारणा।
Max weber's concept of Authority.

मैक्स वेबर द्वारा प्रतिपादित प्राधिकार की अवधारणा में बताया गया है कि समाज में विभिन्न प्रकार की संस्था होती है जो एक संस्तरण के माध्यम से क्रमबद्ध रूप में होती है। तथा नियमों, कानूनों आदि के माध्यम से यह क्रमबद्धता एक दूसरे से अनुकूलन में सहयोग करती है।

= प्राधिकार की अवधारणा में किसी संस्थान में रहने वाले कर्मचारी एवं अधिकारी अपने कार्यों का पालन करते हुए अपने वरिष्ठ अधिकारियों आदि द्वारा दिये गये निर्देशों का भली-भांति पालन करते हैं।

= राज्य की अवधारणा आने के बाद प्राधिकार की अवधारणा विस्तृत रूप में परिभाषित एवं स्पष्ट हो गई है।

= किसी भी कार्यालय में क्रमबद्ध रूप से चपरासी, क्लर्क, कनिष्ठ अधिकारी, अधिकारी एवं वरिष्ठ अधिकारी होते हैं।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

= कार्यालय का यह संस्तरण प्रत्येक कार्य को उसके द्वारा किये जाने वाले कार्मिक से भली-भांति परिचित होता है। जैसे किसी चपरासि का कार्य अधिकारी नहीं कर सकता या अधिकारी का कार्य कोई क्लर्क नहीं कर सकता है।

मैक्स वेबर की अधिकारी की व्याख्या क्रमबद्धता के रूप में समाज के संचालन में सहयोग करती है।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

पया इस स्थान में प्रश्न ख्या के अतिरिक्त कुछ लिखें।

lease do not write ything except the estion number in s space)

2. (a) श्रम विभाजन के बारे में दुर्खाइम के दृष्टिकोण की मार्क्स के श्रम विभाजन के दृष्टिकोण से तुलना और उसका विश्लेषण कीजिये। इसके कारण एवं परिणाम की भी समालोचना कीजिये। 20

Compare and analyse Durkhiem's view of division of labour with Marx's view of division of labour. Also tell its causes and consequences. 20

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न ख्या के अतिरिक्त कुछ लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

(b) मार्क्स ने उत्पादन के छह विकासवादी तरीकों के संदर्भ में समाज की संकल्पना की है। विस्तारपूर्वक वर्णन कीजिये। 20

Marx has conceptualised society in terms of six evolutionary modes of production. Elaborate. 20

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

(c) वेबर ने तर्क दिया कि समाजशास्त्र की विषय-वस्तु सामाजिक क्रिया है। 10

Weber argued that subject matter of sociology is social action. 10

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

3. (a) मैक्स वेबर और एमिल दुर्खाइम के दृष्टिकोण से धर्म के विचार की तुलना और विभेद कीजिये। 20

Compare and Contrast the idea of religion from the perspective of Max Weber and Emile Durkheim. 20

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

पया इस स्थान में प्रश्न
ख्या के अतिरिक्त कुछ
लिखें।
lease do not write
ything except the
estion number in
s space)

(b) दुर्खाइम का कहना है कि विज्ञान का जन्म धर्म से हुआ है। क्या यह सत्य है? टिप्पणी कीजिये। 20

Durkheim says Science is born out of Religion. Is it true? Comment. 20

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

पया इस स्थान में प्रश्न
ख्या के अतिरिक्त कुछ
लिखें।

lease do not write
ything except the
estion number in
s space)

कृपया इस स्थान में
कुछ न लिखें।

(Please don't write
anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

(c) दुर्खाइम की सामूहिक विवेक की अवधारणा पर प्रकाश डलिये। 10

Throw some light on Durkheim's collective conscience. 10

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें। (Please do not write anything except the question number in this space)

4. (a) कार्ल मार्क्स के वर्ग संघर्ष की अवधारणा की व्याख्या कीजिये। यह भी बताइए कि पूंजीवाद के दौर में यह संघर्ष और भी तीव्र हो गया। 20

Explain the concept of Class Struggle by Karl Marx. Also tell this struggle is intensified in an era of capitalism. 20

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। (Please don't write anything in this space)

कार्ल मार्क्स की वर्ग संघर्ष की अवधारणा सामाजिक संदर्भ में अत्यंत व्यापक है। मार्क्स वर्ग संघर्ष के माध्यम से एक नवीन अवस्था जिसमें न तो राज्य होगा न ही कोई पूंजीपति की बात करते हैं। यह अवस्था पूरी तरह से समानता पर आधारित व्यवस्था होगी।

= मार्क्स कहते हैं कि जब से मानव ने पृथ्वी पर अपने कदम रखे हैं तो से दो वर्गों में मतभेद होता आया है यह मतभेद अपने प्रारंभिक अवस्था में न्यूनतम होता है परन्तु जैसे-जैसे उत्पादन के साधनों का विकास होता है यह अवस्था अपने चरम सीमा तक व्यापक होती चली जाती है।

= विकास की आदिम अवस्था : मार्क्स का कथन है कि इस अवस्था में मनुष्य की आवश्यकताएं कम थी इसलिए इस अवस्था में वह आखेटक की भूमिका में संलग्न था। उसे सिर्फ अपने पेट की आग शांत करने भर से मतलब होता था।

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली | 21, पूसा रोड, करोल बाग, नई दिल्ली | 13/15, ताशकंद मार्ग, निकट पत्रिका चौराहा, सिविल लाइन्स, प्रयागराज | 47/CC, बर्लिंगटन आर्केड मॉल, विधानसभा मार्ग, लखनऊ | प्लॉट नंबर-45 व 45-A हर्ष टावर-2, मेन टोंक रोड, वसुंधरा कॉलोनी, जयपुर
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtiIAS.com

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

कृषि अवस्था : इस अवस्था में मानव की आवश्यकताएं बढ़ गई और उसने परिवार रूपी संस्था के साथ रहना शुरु कर दिया। जिसके कारण उसे प्रारंभिक अवस्था में पेट की भूख मिटाने के अलावा परिवार की भौतिक आवश्यकताओं रोटी, कपड़ा, मकान, स्वास्थ्य, शिक्षा आदि की चिंता हुई।

इस अवस्था में दो वर्ग उभरे प्रथम: जिनके पास जमीन थी उन्होंने अन्य लोगों को जो भूमि से वंचित थे उन्हें दास बनाना शुरु कर दिया तथा वंचित किसानों एवं दासों से उनके हिस्से की थोड़ी सी जमीन काम करने के एवज में देने लगे।

अक्सर बेगार कराया जाने लगा। जमीन के बड़े हिस्से पर मालिकाना हक रखने वाले ऐसे लोगों को भूपति, जमींदार, सामंत आदि कहा जाने लगा। जब जमींदारों का वर्चस्व अधिक रूप में बढ़ गया तब मजदूरों द्वारा क्रांति के माध्यम से इसका विरोध किया गया। तथा अपने आप को आजाद करकर श्रमिक वर्ग परिवर्तित हो गया। जो कि मशीनीकरण, यंत्रों के

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली | 21, पूसा रोड, करोल बाग, नई दिल्ली | 13/15, ताशकंद मार्ग, निकट पत्रिका चौराहा, सिविल लाइन्स, प्रयागराज | 47/CC, बर्लिंगटन आर्केड मॉल, विधानसभा मार्ग, लखनऊ | प्लॉट नंबर-45 व 45-A हर्ष टावर-2, मेन टोंक रोड, वसुंधरा कॉलोनी, जयपुर
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

आने के बाद शुरू हुआ। मार्क्स कहता है कि परिवर्तन ही सामाजिक परिवर्तन की आधार शिला है। और कोई भी सत्ता अपने आदि काल तक चलायमान नहीं है।

पूंजीवादी अवस्था : विकास की इस अवस्था में

उत्पादन के साधनों में परिवर्तन हुआ अब जमींदारों एवं सामंतों का स्थान पूंजीपति वर्गों ने ले लिया एवं समाज में दो वर्ग सर्वहारा एवं पूंजीपति का जन्म हुआ। सर्वहारा वर्ग अपने मेहनत मजदूरी के दम पर अपनी भौतिक आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु पूंजीपतियों के यहां उत्पादन कार्य को अंजाम देने लगा। परन्तु पूंजीपति वर्ग उसे उसकी मजदूरी केवल उसकी न्यूनतम भौतिक आवश्यकताओं की पूर्ति संचालन हेतु देता है जबकि अधिकांश हिस्सा स्वयं रख लेता है। इससे श्रमिक वर्ग गरीब होता जाता है जबकि पूंजीपति वर्ग और अमीर होता जाता है।

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली | 21, पूसा रोड, करोल बाग, नई दिल्ली | 13/15, ताशकंद मार्ग, निकट पत्रिका चौराहा, सिविल लाइन्स, प्रयागराज | 47/CC, बर्लिंगटन आर्केड मॉल, विधानसभा मार्ग, लखनऊ | प्लॉट नंबर-45 व 45-A हर्ष टावर-2, मेन टोंक रोड, वसुंधरा कॉलोनी, जयपुर
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

वर्तमान समय में पूंजीवाद संघर्ष की तीव्रता :

मार्क्स के सिद्धांत के विपरीत वर्तमान समय में संघर्ष में कमी दिखाई देती है। कुछ कारण निम्नलिखित हैं:—

= अधिकांश देशों में श्रम कानून बनाये गये हैं जिसके हिसाब से न्यूनतम मजदूरी रेट तय किये गये हैं।

= इंटरनेशनल लेबर कोर्ट का गठन किया गया है।

= श्रमिक वर्गों द्वारा विभिन्न समितियों आदि का गठन किया गया है। यह समितियां समय-समय पर पूंजीपतियों द्वारा की जाने वाली मनमानी को रोकने हेतु हड़ताल, धरना प्रदर्शन, घेराव आदि के माध्यम से दबाव बनाए रखती हैं।

= फैक्टरी एक्ट 1881 के माध्यम से मजदूरी, काम के घंटे आदि बनाए गये हैं।

उपरोक्त के माध्यम से कहा जा सकता है कि मार्क्सवादी सिद्धांत की अंतिम अवस्था पूंजीपति का सर्वनाश आदि दिखाई नहीं दे रहा है जो कि निकट भविष्य में ऐसा होगा।

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली | 21, पूसा रोड, करोल बाग, नई दिल्ली | 13/15, ताशकंद मार्ग, निकट पत्रिका चौराहा, सिविल लाइन्स, प्रयागराज | 47/CC, बर्लिंगटन आर्केड मॉल, विधानसभा मार्ग, लखनऊ | प्लॉट नंबर-45 व 45-A हर्ष टावर-2, मेन टोंक रोड, वसुंधरा कॉलोनी, जयपुर
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtiIAS.com

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

(b) मैक्स वेबर द्वारा प्रतिपादित नौकरशाही की प्रमुख विशेषताओं पर चर्चा कीजिये। 20
Discuss the major features of Bureaucracy as constructed by Max Weber. 20

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

मैक्स वेबर द्वारा प्रतिपादित यह व्यवस्था समाज में नौकरशाही की भूमिका को एक पदक्रम के रूप में सामाजिक भूमिका प्रतिमान के संचालन को बताती है।

नौकरशाही की भूमिका में मैक्स वेबर कार्यालय द्वारा किये गये काम को राज्य स्तर या प्रभाव के रूप में देखते हैं।

वेबर के अनुसार समाज के संचालन के लिए एक निश्चित पदक्रम सोपान का होना नितांत आवश्यक है। यह सोपान नौकरशाही को भी व्यापकता प्रदान करता है। इसके निम्नलिखित रूप हैं —

= नौकरशाही प्रस्थिति के रूप में (Bureaucracy as a Status)

कोई व्यक्ति 'A' जज है जो अपने अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले सारे मामलों को देखता है।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

यह सारे मामले कानून के द्वारा स्पष्ट रूप से परिभाषित कर दिये गये हैं। वे उस कानून के हिसाब से अपने सारे कार्य अंजाम देते हैं, एवं उनका एक भौगोलिक रेखा के रूप में सीमा भी निर्धारित की गई है। वे अपने घर जाते हैं जहां पर वह जज की स्थिति में नहीं हैं बल्कि अब जज की जगह घर या किसी के पति, पिता, पुत्र आदि की भूमिका ग्रहण करते हैं। नौकरशाही का यह प्रतिमान अच्छी तरह से सीमा रेखा को बताता है।

कार्यालयी भूमिका : एक कार्यालय में नौकरशाही का एक क्रमबद्ध प्रारूप होता है जहां पर कार्य करने वाला समूह अपने ज्ञान एवं योग्यता अनुसार कार्य करता है यह ज्ञान एवं योग्यता उसे पहले से ही प्रशिक्षण के माध्यम से सिखायी एवं समझायी जा चुकी होती है।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

कार्य के घंटे: नौकरशाही में अधिकांश कार्यों का बोझ होता है भले ही कार्य के घंटे निर्धारित किये गये हों परन्तु प्रत्येक व्यक्ति अपनी कर्तव्यपरायणता एवं कार्यशीलता तथा अपने ऊपर के अधिकारियों की खुशी के लिए या प्रोन्नति (Promotion) के लिए तय अवधि से अधिक कार्य घंटों को अंजाम देता है।

वेतन: नौकरशाही में वेतन कार्य के हिसाब से नहीं बल्कि पद के हिसाब से पहले से ही तय होता है इसलिए महीने के अंत में वेतन मिलता है।

प्रास्थिति एवं भूमिका: प्रत्येक नौकरशाह या कर्मचारी की भूमिका विस्तृत रूप से पता होती है एवं योग्यता के आधार पर उनके कार्यों का बंटवारा शामिल होता है।

= प्रोन्नति (Promotion) प्रत्येक कर्मचारी अपने दक्षता एवं कार्य करने की लम्बी अवधि (अनुभव) के आधार पर

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली | 21, पूसा रोड, करोल बाग, नई दिल्ली | 13/15, ताशकंद मार्ग, निकट पत्रिका चौराहा, सिविल लाइन्स, प्रयागराज | 47/CC, बर्लिंगटन आर्केड मॉल, विधानसभा मार्ग, लखनऊ | प्लॉट नंबर-45 व 45-A हर्ष टावर-2, मेन टोंक रोड, वसुंधरा कॉलोनी, जयपुर
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

प्रोन्नत होता है। नौकरशाही में बहुत से वरिष्ठ अधिकारी ऐसे होते हैं जो क्लर्क से लेकर बड़े अधिकारी के पद पर प्रोन्नति के माध्यम से पहुंचते हैं।

योग्यता परीक्षा: अधिकांश अधिकारी वर्ग नौकरशाही में शामिल होने हेतु कठिन प्रतियोगिता परीक्षा पास करते हुए पहुंचते हैं।

मैक्स वेबर की उपरोक्त प्रमुख विशेषताएं नौकरशाही में प्रतिपादित अभिव्यक्तियों की पुष्टि करती हैं। बहुत सी अवधारणाएं भारतीय नौकरशाही में भी पायी जाती हैं जो कि समानता का घातक है।

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली | 21, पूसा रोड, करोल बाग, नई दिल्ली | 13/15, ताशकंद मार्ग, निकट पत्रिका चौराहा, सिविल लाइन्स, प्रयागराज | 47/CC, बर्लिंगटन आर्केड मॉल, विधानसभा मार्ग, लखनऊ | प्लॉट नंबर-45 व 45-A हर्ष टावर-2, मेन टोंक रोड, वसुंधरा कॉलोनी, जयपुर
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

(c) आदर्श प्रारूप को परिभाषित कीजिये और सामाजिक घटनाओं को समझने के लिये वर्स्टेहेन की व्याख्या कीजिये। 10

Define Ideal type and explain verstehen for understanding social phenomena. 10

आदर्श प्रारूप की यह अवधारणा मैक्स वेबर द्वारा प्रतिपादित की गई है। इस अवधारणा में मैक्स वेबर आदर्श प्रारूप के माध्यम से सामाजिक गतिविधि के संचालन के नियम को परिभाषित करते हैं। कि कैसे आदर्श प्रारूप के माध्यम से सामाजिक घटनाओं का पता लगाया जा सकता है।

सामाजिक घटनाओं का पता लगाते हेतु मैक्स वेबर निम्नलिखित रूप में परिभाषित करते हैं।

= सामाजिक घटनाओं के सार को समझने के लिए वृहद सामाजिक अनुभव की स्थिति होना जरूरी है यह स्थिति समाज में व्याप्त विभिन्न संदर्भ जैसे धर्म, राजनीति, आर्थिक गतिविधियां, सत्ता आदि के आधार पर अपना प्रभाव डालती है। वेबर इस प्रभाव में से एक प्रारूप का चुनाव करते हैं यह चुनाव इस द्योतक में होता है कि चुनी गई वस्तु

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली | 21, पूसा रोड, करोल बाग, नई दिल्ली | 13/15, ताशकंद मार्ग, निकट पत्रिका चौराहा, सिविल लाइन्स, प्रयागराज | 47/CC, बर्लिंगटन आर्केड मॉल, विधानसभा मार्ग, लखनऊ | प्लॉट नंबर-45 व 45-A हर्ष टावर-2, मेन टोंक रोड, वसुंधरा कॉलोनी, जयपुर
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

में समग्र वस्तुओं का गुण भी आ जाता है।

- आदर्श प्रारूप धर्म की शुचिता से लेकर अलगाव की अवधारणा तक में व्यापक अर्थों के रूप में प्रयोग किया जाता है।

वेबर आदर्श प्रारूप को और बेहतर तरीके से समझाने हेतु जर्मन शब्द वर्स्टेहेन (Verstehen) का प्रयोग करते हैं। यह शब्द आदर्श प्रारूप की सारगर्भिकता को परिलक्षित करता है।

- अपने समग्र में से चुने गये आदर्श प्रारूप में सामाजिक घटनाओं की विशेषता का अध्ययन किया जाता है। उदाहरण के तौर पर अगर किसी जगह वर्षा हो रही हो तो लोग एक दूसरे से किस तरह प्रभावित होते हैं या दो साइकिल सवारों के टकराने के बाद की स्थिति आदि।

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली | 21, पूसा रोड, करोल बाग, नई दिल्ली | 13/15, ताशकंद मार्ग, निकट पत्रिका चौराहा, सिविल लाइन्स, प्रयागराज | 47/CC, बर्लिंगटन आर्केड मॉल, विधानसभा मार्ग, लखनऊ | प्लॉट नंबर-45 व 45-A हर्ष टावर-2, मेन टोंक रोड, वसुंधरा कॉलोनी, जयपुर
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

खण्ड-ख / SECTION – B

5. Answer the following in about 150 words each: **10 × 5 = 50**

निम्नलिखित में से प्रत्येक का लगभग 150 शब्दों में उत्तर दीजिये: **10 × 5 = 50**

(a) भारत में धर्म के परिप्रेक्ष्य पर मैक्स वेबर का दृष्टिकोण।

Max Weber's view of the perspective of religion in India.

मैक्स वेबर के धार्मिक परिप्रेक्ष्य के सिद्धांत के अनुसार उन्होंने विश्व के छः प्रमुख धर्मों विशेषतः कन्फ्यूशियन, हिंदू, इस्लाम, ईसाई, यहूदी आदि का अध्ययन किया। उक्त धर्मों के अध्ययन में वेबर ने अपने विस्तृत दृष्टिकोण दिये हैं।
भारतीय धर्म के अपने व्यापक परिप्रेक्ष्य में वेबर ने भारतीय धार्मिक संस्कृति को कर्म प्रधान माना है तथा साथ ही साथ भारतीय धार्मिक अध्ययन में वेबर ने मानव की पुर्नजन्म की अवधारणा, भाग्यवादिता, मोक्ष की भावना आदि ने भारतीय धार्मिकता को आर्थिक रूप से क्षति पहुंचाई है इस लिए भारत को आर्थिक पिछड़ापन नज़र आता है।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

वेबर के अनुसार आर्थिक गतिविधियां ही मुख्यतः सामाजिकता में व्यापकता लाती हैं, परन्तु भारतीय धर्म के लोग विशेषतः हिंदू धार्मिकता को मानने वाले लोगों में भाग्यवादिता एवं कामचोरी की प्रवृत्ति पायी जाती है।

वेबर के अनुसार कार्य की संस्कृति में धार्मिक गतिविधियां बाधा पैदा करती हैं। जो कि यह बाधा गरीबी को जन्म देती है तथा गरीब भाग्य के भरोसे बैठ जाता है।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

(b) मैक्स वेबर का प्राचीन यहूदी धर्म का परिप्रेक्ष्य।

Max Weber's Perspective of Ancient Judaism.

मैक्स वेबर ने प्राचीन धार्मिक गतिविधियों में ईसाई विशेषतः प्रोस्टेन्ट एवं कैथोलिक के साथ ही यहूदी धर्म का भी अध्ययन किया। वेबर ने अपनी प्रसिद्ध कृति द प्रोस्टेन्ट स्पिरिट आफ द कैपिटलिज्म में यहूदी धार्मिक गतिविधियों को निम्नलिखित रूप में उजागर किया है।

= वेबर के अनुसार यहूदी धर्म में ब्याज (Interest) में दिलचस्पी ली जाती है और इसे बुरा नहीं समझा जाता है। अधिकांश यहूदी का परिवार ब्याज पर ही अपना जीवन निर्वाह करता है।

= यहूदी धर्म में पैसे से पैसा कमाने पर फोकस किया जाता है। उनमें पैसे को लेकर ज्यादा चाहत होती है।

= वेबर ने अपनी पुस्तक में लिखा है कि यहूदी धर्म की पैसा कमाने की यह अवधारणा

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली | 21, पूसा रोड, करोल बाग, नई दिल्ली | 13/15, ताशकंद मार्ग, निकट पत्रिका चौराहा, सिविल लाइन्स, प्रयागराज | 47/CC, बर्लिंगटन आर्केड मॉल, विधानसभा मार्ग, लखनऊ | प्लॉट नंबर-45 व 45-A हर्ष टावर-2, मेन टोंक रोड, वसुंधरा कॉलोनी, जयपुर
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

ईसाई धार्मिक प्रोटेस्टेंट द्वारा ग्रहण की गई और प्रोटेस्टेंट भी अमीर होते चले गये।

= यहूदी धर्म के लोग आर्थिक क्रिया को ईश्वर आदि को गौण मानते हैं।

= यहूदी धार्मिक क्रिया की वजह से पाप, पुण्य की अवधारणा आर्थिक गतिविधियों से समाप्त हो गई।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

(c) भारत में प्रकृति-पूजा करने की एक समृद्ध परंपरा है, इसकी तुलना दुर्खाइम के टोटमवाद के अध्ययन से कीजिये।

India has a rich tradition of worshipping nature, compare it with Durkheim's study of Totemism.

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

भारत एक बहु आयाम तथा विभिन्न धर्मों, पंथों एवं प्राकृतिक पूजा को मानने वाला देश रहा है। सिंधु घाटी सभ्यता से ही प्राकृतिक पूजा के लक्षण दृष्टिगोचर होते हैं। इसके साथ ही वेद, पुराण एवं अन्य धार्मिक अवसरों पर वर्तमान में भी प्राकृतिक पूजा की जाती है।

विशेषतः अधिकांश भारतीय जनजातियां भी प्राकृतिक पूजा में ही यकीन रखती हैं।

दुर्खीम के टोटमवाद एवं भारतीय प्रकृतिक पूजा की तुलना निम्नलिखित है—

= दुर्खीम के अनुसार टोटम एक ऐसी वस्तु, जीव, या कोई पेड़, पौधा हो सकता है जो कि व्यक्ति को हानि न पहुंचाता हो जबकि ~~भा~~ भारतीय संदर्भ में नागपंचमी के अवसर पर नाग पूजा भी की जाती है।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

= दुर्खीम के टोटमवाद में पवित्रता तथा अपवित्रता की अवधारणा निहित है जबकि भारतीय परिप्रेक्ष्य में पूजी जाने वाली प्रत्येक वस्तु पवित्र होती है।

= दुर्खीम के टोटमवाद में एक टोटम को मानने वाले लोग आपस में भाई बहन की तरह होते हैं जो वैवाहिक संबंध नहीं बनाते, जबकि भारतीय संस्कृति में ऐसा नहीं होता।

= दुर्खीम के टोटमवाद में भारतीय टोटम की तरह टोटम व्यवस्था सामान्यतः जनजाति व्यवस्था में ही पायी जाती है।

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली | 21, पूसा रोड, करोल बाग, नई दिल्ली | 13/15, ताशकंद मार्ग, निकट पत्रिका चौराहा, सिविल लाइन्स, प्रयागराज | 47/CC, बर्लिंगटन आर्केड मॉल, विधानसभा मार्ग, लखनऊ | प्लॉट नंबर-45 व 45-A हर्ष टावर-2, मेन टोंक रोड, वसुंधरा कॉलोनी, जयपुर
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtiIAS.com

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

(d) जल जीवन मिशन और समाज पर इसका प्रभाव।

Jal jeevan mission and its impact on society.

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

भारत सरकार द्वारा चलाए जा रहे कार्यक्रमों जल जीवन मिशन के तहत हर घर जल, नल से जल आदि का क्रियान्वयन तीव्र गति से किया जा रहा है। जल समाज एवं व्यक्ति के साथ ही साथ सम्पूर्ण पर्यावरण हेतु नितांत आवश्यक है, इस क्रम में इसके प्रभाव सामाजिक रूप से निम्नलिखित हैं—

= भारत में अधिकांश जगह सूखे की समस्या के कारण आर्थिक, राजनीतिक तथा सामाजिक प्रभाव पड़ता है।

= महिलाओं पर प्रभाव: भारतीय परिप्रेक्ष्य में परिवार चलाने की प्राथमिक भूमिका में स्त्रियों की स्थिति महत्वपूर्ण होती है। अधिकांश स्त्रियां पानी न होने के कारण अत्यधिक समस्या का सामना करती हैं। इससे उन्हें छुटकारा मिलेगा और वे रचनात्मक कार्यों में संलग्न होंगी।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

= भारत में पर्यावरण प्रदूषण की समस्या लगातार बढ़ रही है जिसका एक कारण जल और कमी का होना है। पर्याप्त मात्रा में जल होने से पर्यावरण प्रदूषण नहीं होगा।

= शहरीकरण : शहरों में बेहतर पेयजल की स्थिति अत्यंत गंभीर रूप धारण करती जा रही है। इसका निदान होने से संधारणीय शहरीकरण को बढ़ावा मिलेगा।

= महामारी : दूषित पेयजल के कारण विभिन्न प्रकार की बिमारी जैसा हैजा, हेपाटाइटिस, पोलियो, चिकनपाक्स आदि से छुटकारा मिलेगा। जिससे जेब पर पड़ने वाला भारी बोझ (Out of Pocket Money) कम होगा।

दृष्टि The Vision

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली | 21, पूसा रोड, करोल बाग, नई दिल्ली | 13/15, ताशकंद मार्ग, निकट पत्रिका चौराहा, सिविल लाइन्स, प्रयागराज | 47/CC, बर्लिंगटन आर्केड मॉल, विधानसभा मार्ग, लखनऊ | प्लॉट नंबर-45 व 45-A हर्ष टावर-2, मेन टोंक रोड, वसुंधरा कॉलोनी, जयपुर

दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtiIAS.com

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

(e) कृत्रिम बुद्धिमत्ता के समाजशास्त्रीय निहितार्थ।

Sociological implications of Artificial Intelligence.

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

वर्तमान युग तकनीकी का युग है। जहां कठिन से कठिन एवं सरल से सरल कार्य मशीनों एवं विभिन्न अल्गोरिदम द्वारा प्रक्रियों में निपटाए जा रहे हैं। समाजशास्त्र मानव जीवन के प्रत्येक पहलू को अपने अध्ययन के क्रम में सूक्ष्म रूप से अवलोकन करता है। इस रूप में कृत्रिम बुद्धिमत्ता के निम्नलिखित प्रतिमान परिलक्षित होते हैं:—

= कृत्रिम बुद्धिमत्ता आने के बाद ~~अब~~ मानव एवं मशीन के विरुद्ध द्वन्द्व उद्‌ हो सकता है।

= मानव रोजगार में हानि हो सकती है।

= हालांकि अभी इसके व्यापक निहितार्थ सामने नहीं आए हैं कि कितने लोग बेरोजगार या अपने कार्यों से मुक्त हुए हैं।

= वर्तमान समाज में कृत्रिम बुद्धिमत्ता ने मानव कार्यों को आसान बनाकर समाज में कई नवीन तकनीक को अंजाम दिया है।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

आर्थिक रूप में : कृत्रिम बुद्धिमत्ता ने आर्थिक रूप से मनुष्यों को परंपरागत आफिस जाकर करने वाले काम को कम करके 'वर्क फ्राम होम' की संस्कृति को जन्म दिया है।

कला एवं संगीत : कृत्रिम बुद्धिमत्ता से वर्तमान में नये गानों का सृजन से लेकर विभिन्न कला पेंटिंग विकसित हुए हैं।

आभासी रुपये / मुद्रा : कृत्रिम बुद्धिमत्ता से बिटकाइन जैसी भौतिक मुद्रा का चलन बढ़ा है।

इसके साथ ही कृत्रिम बुद्धिमत्ता ने पृथ्वी से लेकर अंतरिक्ष तक अनेक रूप में मानव को प्रभावित किया है।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

6. (a) जैसे-जैसे हम तेज़ी से शहरीकरण की ओर बढ़ रहे हैं, हम आत्महत्या की दरों में वृद्धि देख रहे हैं। आत्महत्या का दुर्खाइम सिद्धांत की व्याख्या कीजिये? 20

As we are going towards rapid urbanisation we see due increase in the rates of Suicide. Explain Durkheim's theory of suicide? 20

मनुष्य एक सामाजिक प्राणी है एवं सामाजिक प्राणी होने के नाते मनुष्य की आवश्यकताएं असीम है इन्ही आवश्यकताओं ने मनुष्य को आदिकाल से लेकर वर्तमान काल तक प्रभावित किया है। यह मानव आवश्यकताएं मनुष्य को पलायन करने हेतु बेहतर जीवन की चाह में शहरों में लेकर आई जहां पर शहरीकरण की अवस्था का जन्म हुआ। जब मानव की आवश्यता अपने आप से पूर्ण नहीं होती तो वह सामाजिक दबाव महसूस करता है यह दबाव अपने सबसे विभत्स रूप में आत्महत्या तक पहुंचता है।

शहरीकरण एवं आत्महत्या में वृद्धि :

अलगाव : शहरों में व्यक्ति एक दूसरे से कम परिचित होते हैं एवं घर से दूर होने के कारण कोई हानि या अहित पड़ने पर आत्महत्या जैसी गतिविधि को अंजाम दे देते हैं।

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली | 21, पूसा रोड, करोल बाग, नई दिल्ली | 13/15, ताशकंद मार्ग, निकट पत्रिका चौराहा, सिविल लाइन्स, प्रयागराज | 47/CC, बर्लिंगटन आर्केड मॉल, विधानसभा मार्ग, लखनऊ | प्लॉट नंबर-45 व 45-A हर्ष टावर-2, मेन टोंक रोड, वसुंधरा कॉलोनी, जयपुर
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtiIAS.com

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

= दबाव महसूस करना: शहरी आधुनिक संस्कृति में सफल होने की अवधारणा को व्यापक बोझ होता है। कभी-कभी व्यक्ति सफल न होने के कारण आत्महत्या जैसे कदम उठा लेता है।

= शिक्षा: वर्तमान समय में किशोरों एवं युवाओं में शैक्षिक असफलता के कारण विभिन्न भारतीय शहरों विशेषत: दिल्ली एन.सी.आर. एवं राजस्थान के कोटा में आत्महत्या की यह स्थिति चिंताजनक है।

* दुर्खीम का आत्महत्या सिद्धांत:

दुर्खीम ने अपनी प्रसिद्ध पुस्तक द सुसाइड में इस आत्महत्या सिद्धांत का प्रतिपादन किया है।

आत्महत्या हेतु दुर्खीम ने तीन प्रमुख कारणों का वर्णन किया है। दुर्खीम के अनुसार आत्महत्या न तो मानसिक बीमारी है न ही तत्कालिक तौर पर किया गया प्रतिफल है बल्कि, आत्महत्या एक सोची समझी समस्या सामाजिक की उत्पत्ति है। जिसे करने

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली | 21, पूसा रोड, करोल बाग, नई दिल्ली | 13/15, ताशकंद मार्ग, निकट पत्रिका चौराहा, सिविल लाइन्स, प्रयागराज | 47/CC, बर्लिंगटन आर्केड मॉल, विधानसभा मार्ग, लखनऊ | प्लॉट नंबर-45 व 45-A हर्ष टावर-2, मेन टोंक रोड, वसुंधरा कॉलोनी, जयपुर
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

वाला भली - भांति जानता है कि इसे करने पर उसकी मृत्यु हो जाएगी। आत्महत्या सामाजिक ~~दब~~ दबाव के आधार पर कोई व्यक्ति करता है।

* आत्मवादी (Egoistic) : जब व्यक्ति समाज द्वारा स्थापित किसी प्रतिमान को पूर्ण नहीं कर पाता है तो वह सामाजिक दबाव को महसूस करता है तथा यह दबाव उसे व्यापक रूप से आत्महत्या हेतु उकसाता है जिसके कारण वह आत्महत्या कर लेते हैं। ~~उदा~~ उदाहरण, परीक्षा में फेल होना, मनचाहा कार्य का फल न मिलना आदि।

* परार्थवादी : कभी - कभी सामाजिक दबाव इतना अधिक होता है कि व्यक्ति का जीवन बिना आत्महत्या किये चल ही नहीं पाता। उदाहरण : राजपूत समाज में जौहर प्रथा, अपने मालिक के मरने पर दास द्वारा आत्महत्या करना आदि।

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली | 21, पूसा रोड, करोल बाग, नई दिल्ली | 13/15, ताशकंद मार्ग, निकट पत्रिका चौराहा, सिविल लाइन्स, प्रयागराज | 47/CC, बर्लिंगटन आर्केड मॉल, विधानसभा मार्ग, लखनऊ | प्लॉट नंबर-45 व 45-A हर्ष टावर-2, मेन टोंक रोड, वसुंधरा कॉलोनी, जयपुर
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें। (Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। (Please don't write anything in this space)

अपराधी : आत्महत्या की यह अवस्था में सामाजिक प्रतिमानों का बोझ इतना अधिक होता है कि व्यक्ति किसी आत्महत्या किये समाज में जीने को पाप या दण्ड समझने लगता है। उदाहरण: किसी डूबते हुए जहाज का कप्तान। क्योंकि इसका सामाजिक एवं प्राथमिक कर्तव्य जहाज को बचाना था परन्तु ऐसा करने में वह असफल रहा इस लिए इस पराजय को उसे आत्महत्या करके ही चुकाना होगा।

दुर्खीम का सामाजिक घटना को ही सबकुछ मानना पर समाज को व्यक्ति की आत्महत्या में उत्तम भूमिका होना जैसा प्रतिमान पूर्णतः सही संदर्भ नहीं है। और भी बहुत से मनोवैज्ञानिक, राजनीतिक तथा आर्थिक कारण आत्महत्या करने हेतु विवश करते हैं।

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली | 21, पूसा रोड, करोल बाग, नई दिल्ली | 13/15, ताशकंद मार्ग, निकट पत्रिका चौराहा, सिविल लाइन्स, प्रयागराज | 47/CC, बर्लिंगटन आर्केड मॉल, विधानसभा मार्ग, लखनऊ | प्लॉट नंबर-45 व 45-A हर्ष टावर-2, मेन टोंक रोड, वसुंधरा कॉलोनी, जयपुर
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

(b) आधुनिक समाजों में प्रतिमानहीनता (एनोमी) को अस्थिरता के मुख्य कारण के रूप में देखा जाता है। प्रतिमानहीनता (एनोमी) पर दुर्खाइम के उपागम की व्याख्या करते हुए चर्चा कीजिये। 20

Anomie is seen as a main cause of instability in modern societies. Discuss while explaining Durkheim's view on Anomie. 20

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

दुर्खीम की एनोमी अवधारणा सामाजिक अस्थिरता के बोध को परिलक्षित करती है। किसी समाज में सामाजिक व्यवस्था के निश्चित प्रतिमान होते हैं एवं जब ये प्रतिमान किसी रूप में कमजोर होते हैं तो एनोमी की अवधारणा का जन्म होता है।

= आधुनिक सामाजिक प्रतिमानों में एनोमी को निम्नलिखित रूप में परिभाषित किया जा सकता है—

* परिवार रूपी संस्था में कमी: वर्तमान समय में संयुक्त परिवार रूपी संस्था में कमी आ रही है। अपने प्रकृति भूमिका में लोग एकल परिवार को प्राथमिकता देने लगे हैं जिससे परिवार रूपी एकता का क्षरण होने की वजह से प्रतिमानहीनता का बोध होता है।

* शिक्षा: वर्तमान शिक्षा प्रणालियों में नैतिक शिक्षा के स्थान पर आधुनिक शिक्षा जैसे—

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली | 21, पूसा रोड, करोल बाग, नई दिल्ली | 13/15, ताशकंद मार्ग, निकट पत्रिका चौराहा, सिविल लाइन्स, प्रयागराज | 47/CC, बर्लिंगटन आर्केड मॉल, विधानसभा मार्ग, लखनऊ | प्लॉट नंबर-45 व 45-A हर्ष टावर-2, मेन टोंक रोड, वसुंधरा कॉलोनी, जयपुर
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

समता, प्राइवेसी, लौकिकता आदि में वृद्धि हुई है जिससे परम्परागत सांस्कृतिक विभेदता बढ़ी है।

* पाश्चात्यीकरण: पाश्चात्यीकरण की अवधारणा में मूल्यों का क्षरण हुआ है जिससे प्रतिमानहीनता में वृद्धि हुई है।

* मशीनीकरण: मशीनीकरण के कारण शहरीकरण एवं प्रवास की वजह से लोग पलायन करने लगे हैं। ग्रामीण जीवन से शहर की तरफ अचानक आने के कारण उनमें सामंजस्य में बाधा आती है तथा विशेष कौशल न होने के कारण छोटे-मोटे कार्य करने लगते हैं जिससे पारिवारिक संचालन न होने के कारण एवं काम मजदूरी आदि मिलने के कारण प्रतिमानहीनता में वृद्धि होती है।

* नैतिकता का लोप होना: वर्तमान आधुनिक समय में व्यावसायिक प्रतिस्पर्धा होने के कारण नैतिक प्रतिमानों का लोप हुआ है जिस कारण एनोमी की अवधारणा बढ़ी है।

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली | 21, पूसा रोड, करोल बाग, नई दिल्ली | 13/15, ताशकंद मार्ग, निकट पत्रिका चौराहा, सिविल लाइन्स, प्रयागराज | 47/CC, बर्लिंगटन आर्केड मॉल, विधानसभा मार्ग, लखनऊ | प्लॉट नंबर-45 व 45-A हर्ष टावर-2, मेन टोंक रोड, वसुंधरा कॉलोनी, जयपुर
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

प्रतिमानहीनता पर दुर्खीम ने अनेक रूपों में निम्नलिखित आयामों पर चर्चा की है।

* **धर्म** : "दुर्खीम के अनुसार समाज ही वास्तविक देवता है"। एवं धर्म में पवित्र तथा अपवित्र की भावना का समावेश ही नैतिक रूप से व्यक्ति की अवधारणा को परिलक्षित करता है।

* **आर्थिक क्रिया** : समाज में आर्थिक आधारों का होना एवं आर्थिक रूप से सक्षम होना व्यक्ति की अवधारणा को संतुष्ट करने हेतु महत्वपूर्ण तथ्य है।

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली | 21, पूसा रोड, करोल बाग, नई दिल्ली | 13/15, ताशकंद मार्ग, निकट पत्रिका चौराहा, सिविल लाइन्स, प्रयागराज | 47/CC, बर्लिंगटन आर्केड मॉल, विधानसभा मार्ग, लखनऊ | प्लॉट नंबर-45 व 45-A हर्ष टावर-2, मेन टोंक रोड, वसुंधरा कॉलोनी, जयपुर
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

1

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

(c) सामान्य और व्याधिकीय सामाजिक तथ्यों के बीच अंतर कीजिये। दुर्खाइम के अपराध संबंधी विश्लेषण का परीक्षण कीजिये। 10

Distinguish between normal and pathological social facts. Examine Durkheim's analysis of crime. 10

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

दुर्खीम ने अपने समाजशास्त्रीय दृष्टिकोण में सामान्य एवं व्याधिकीय अपराध में निम्नलिखित अंतर बताए हैं।

दुर्खीम के अनुसार सामान्य अपराध की प्रकृति छोटे-छोटे अपराधों के क्रम से होती हुई क्रमिक रूप से व्याधिकीय अपराध तक पहुंचती है। अपराध की प्रक्रिया में परिवार, पड़ोस, स्कूल एवं नैतिक मुद्दों का विशेष स्थान होता है।

= बालक बचपन में अपने घर में झूठ बोलता है इस रूप में परिवार के सदस्य उसे किस रूप में लेते हैं यह उसके जीवन की नैतिकता को परिभाषित करता है जो कि आगे के क्रम में उसके पेशेवर अपराधी बनने की संभावना को व्यक्त करता है।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

दुर्खीम ने व्यावसायिक अपराध के क्रम में शहरीकरण, सफेदपोश अपराध आदि पर अध्ययन किया एवं पाया कि अपराध की प्रक्रिया कहीं न ~~थी~~ कहीं सामान्य अपराध से जुड़ी हुई थी।

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली | 21, पूसा रोड, करोल बाग, नई दिल्ली | 13/15, ताशकंद मार्ग, निकट पत्रिका चौराहा, सिविल लाइन्स, प्रयागराज | 47/CC, बर्लिंगटन आर्केड मॉल, विधानसभा मार्ग, लखनऊ | प्लॉट नंबर-45 व 45-A हर्ष टावर-2, मेन टोंक रोड, वसुंधरा कॉलोनी, जयपुर
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

7. (a) स्तरीकरण क्या है? स्तरीकरण के बारे में कार्ल मार्क्स और मैक्स वेबर के उपागमों में अंतर बताइए और तुलना कीजिये। 20

What is stratification? Compare and contrast Karl Marx and Max Weber's view of stratification. 20

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

(b) मैक्स वेबर के प्रोटेस्टेंट आचार और पूंजीवाद का सार के सिद्धांत का परीक्षण कीजिये। 20

Examine Max Weber's theory of Protestant ethics and spirit of capitalism. 20

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

मैक्स वेबर ने विश्व के छः प्रमुख महान धर्मों का अध्ययन करने पर पाया कि आर्थिक रूप से समाजवादी प्रक्रिया का सार प्रोटेस्टेंट धर्म में व्याप्त है। अपनी प्रसिद्ध पुस्तक "द प्रोटेस्टेंट आफ द स्पिरिट आफ कैपिटलिज्म" में वेबर ने प्रोटेस्टेंट धर्म से संबंधित आर्थिक पूंजीवादी आचार का सार मत सिद्धांत प्रस्तुत किया।

वेबर के अनुसार प्रोटेस्टेंट धर्म में पैसे को पैसा मानना एवं पैसे से पैसे बनाने की अवधारणा पायी जाती है।

प्रमुख अवधारणा निम्नलिखित रूप में है।

* ब्याज (Interest) को मान्यता : प्रोटेस्टेंट धर्म में कैथोलिक धर्म के विपरीत ब्याज को लेना पूंजीवाद व्यवस्था के क्रम में पाप नहीं समझा जाता है।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें। (Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। (Please don't write anything in this space)

कर्मप्रधानता: पूंजीवादी प्रोटेस्टेंट में कर्म को प्रधानता दी जाती है एवं परिवार के सभी सदस्य कमाकर एक दूसरे की आर्थिक क्रिया में संलग्न करते हैं।

छुट्टियों का अभाव: प्रोटेस्टेंट में छुट्टी आदि के लिए कोई दिन नहीं होता है।

शराबखोरी पर नियंत्रण: प्रोटेस्टेंट धर्म में शराब पीकर कार्य करने को वर्जित माना जाता है। मशीनों को चलाने एवं अन्य कार्य करने के लिए शराब पीकर करना संभव नहीं है।

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली | 21, पूसा रोड, करोल बाग, नई दिल्ली | 13/15, ताशकंद मार्ग, निकट पत्रिका चौराहा, सिविल लाइन्स, प्रयागराज | 47/CC, बर्लिंगटन आर्केड मॉल, विधानसभा मार्ग, लखनऊ | प्लॉट नंबर-45 व 45-A हर्ष टावर-2, मेन टोंक रोड, वसुंधरा कॉलोनी, जयपुर
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtiIAS.com

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

(c) वेबर के तर्कसंगीतिकरण और तर्कसंगत पूंजीवाद के सिद्धांत पर कुछ प्रकाश डालिये। 10

Throw some light on Weber's theory of Rationalisation and Rational capitalism. 10

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

8. (a) हाल ही में मणिपुर की महिला के साथ दो समुदायों के बीच जातीय संघर्ष के कारण यौन हिंसा की भयावह घटना हुई है। संघर्ष सिद्धांत के आलोक में मुद्दे का समालोचनात्मक विश्लेषण कीजिये। 20

Recently women of Manipur has witnessed horrifying incident of sexual violence due to Ethinic clash between the two communities. Critically analyse the issue in light of conflict theory. 20

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली | 21, पूसा रोड, करोल बाग, नई दिल्ली | 13/15, ताशकंद मार्ग, निकट पत्रिका चौराहा, सिविल लाइन्स, प्रयागराज | 47/CC, बर्लिंगटन आर्केड मॉल, विधानसभा मार्ग, लखनऊ | प्लॉट नंबर-45 व 45-A हर्ष टावर-2, मेन टोंक रोड, वसुंधरा कॉलोनी, जयपुर

दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtiIAS.com

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

(b) भारतीय अर्थव्यवस्था की ऐतिहासिक पूर्व-कार्ययोजना को रेखांकित कीजिये। 20

Trace a historical roadmap of the Indian economy. 20

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली | 21, पूसा रोड, करोल बाग, नई दिल्ली | 13/15, ताशकंद मार्ग, निकट पत्रिका चौराहा, सिविल लाइन्स, प्रयागराज | 47/CC, बर्लिंगटन आर्केड मॉल, विधानसभा मार्ग, लखनऊ | प्लॉट नंबर-45 व 45-A हर्ष टावर-2, मेन टोंक रोड, वसुंधरा कॉलोनी, जयपुर

दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtiIAS.com

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

1

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

(c) हाल ही में, तालिबान ने अफगानिस्तान की राजनीतिक और सामाजिक स्थिरता को विक्षोभित करते हुए उस पर बलपूर्वक अधिकार कर लिया है। ऐसी घटनाओं का बड़ा कारण धार्मिक कट्टरवाद बताया जाता है। टिप्पणी कीजिये। 10

Recently, Taliban has captured Afghanistan shaking its political and social stability. Religious fundamentalism is said to be a major cause of such incidents. Comment. 10

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

3

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

Feedback

Questions ....

Model Answer & Answer Structure ....

Evaluation ....

Staff ....

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली | 21, पूसा रोड, करोल बाग, नई दिल्ली | 13/15, ताशकंद मार्ग, निकट पत्रिका चौराहा, सिविल लाइन्स, प्रयागराज | 47/CC, बर्लिंगटन आर्केड मॉल, विधानसभा मार्ग, लखनऊ | प्लॉट नंबर-45 व 45-A हर्ष टावर-2, मेन टोंक रोड, वसुंधरा कॉलोनी, जयपुर

दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtiIAS.com

Copyright – Drishti The Vision Foundation

रफ कार्य के लिये स्थान

(Space for Rough Work)

Copyright – Drishti The Vision Foundation